चूहा और जादूगर

भारतीय लोककथा

चूहा और जादूगर

भारतीय लोककथा

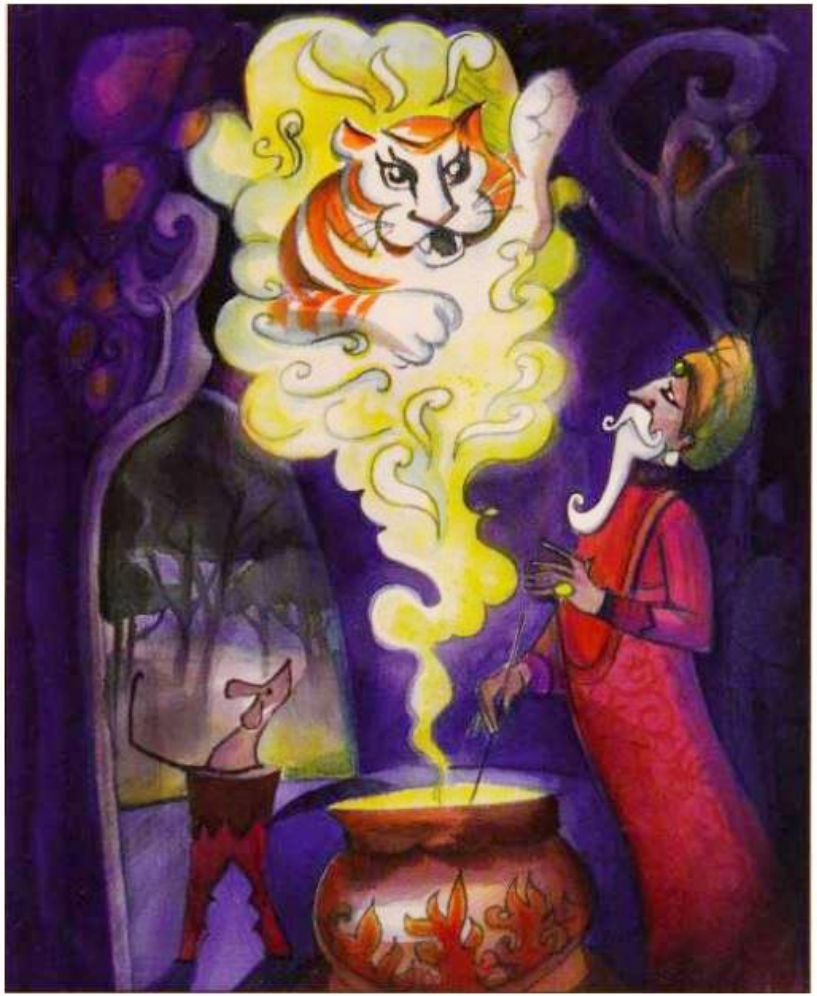

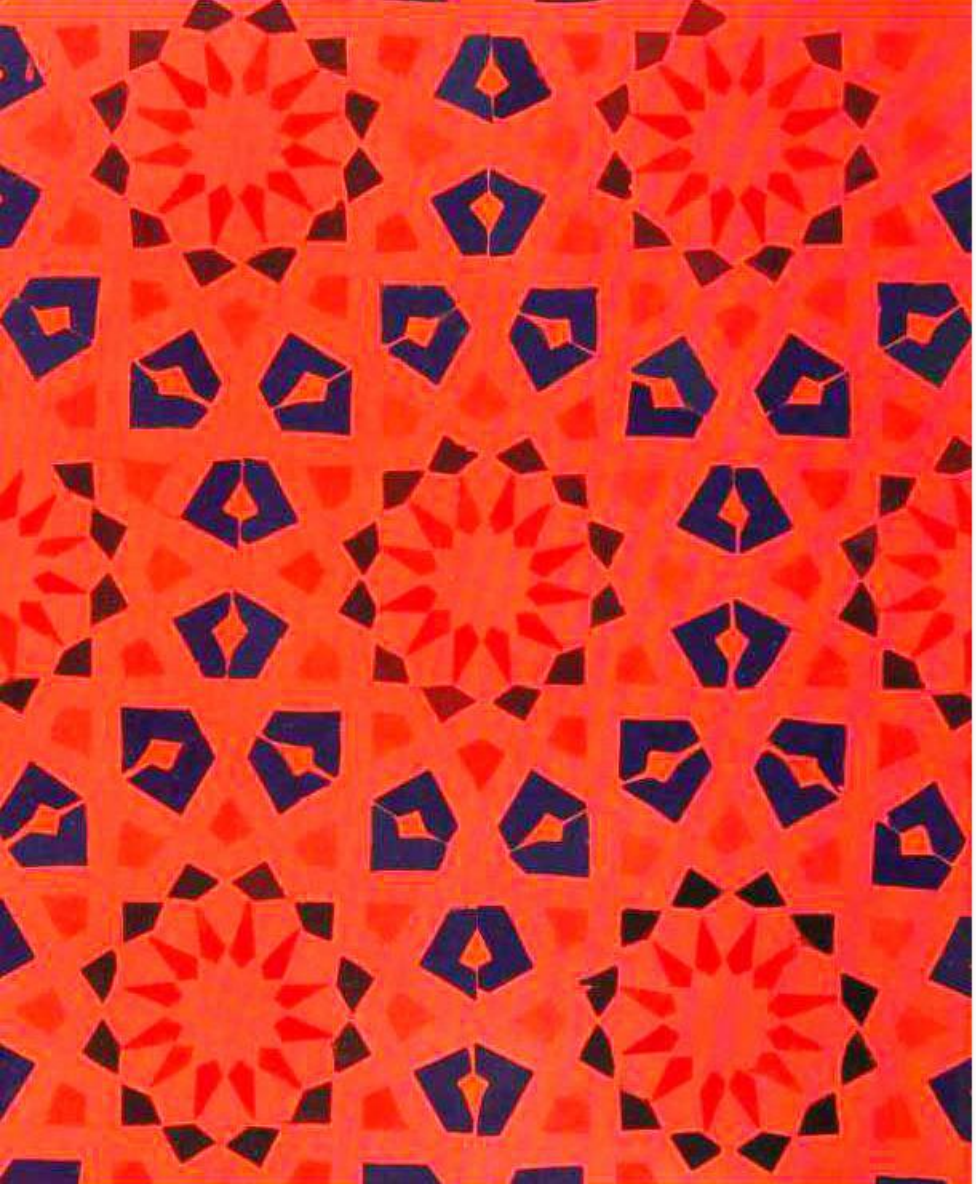

तेज़ और उफनती नदी के किनारे एक झोपड़ी में एक बूढ़ा जादूगर रहता था. वो तमाम समस्याओं को हल करना जानता था. अपनी जादू की छड़ी को हिलाकर वो एक सूखे खेत में बारिश ला सकता था या फिर मानसून में आई बाढ़ को पीछे धकेल सकता था.

एक दिन वो दोपहर को चावल, चपाती, सब्ज़ी और दही का भोजन कर रहा था, तभी एक चूहा फर्श पर पुआल की चटाई के एक छेद में से बाहर निकला.

"बाहर आओ, छोटे चूहे. मैं तुम्हें खाने के लिए कुछ दूंगा," बूढ़े जादूगर ने कहा.

अपनी नाक हिलाते हुए, चूहे ने जादूगर के भोजन की गंध को सूँघा.

हालाँकि वो भूखा था, पर चूहे ने अपना छेद नहीं छोड़ा.

"बाहर आओ, छोटे चूहे," जादूगर ने अपनी उंगली को दही में डुबोया और उसे चूहे को दिखाया.

चूहे की मूंछें कांपने लगीं. "मैं वो नहीं कर सकता हूँ," चूहे ने कहा.

"क्यों नहीं?" बूढ़े जादूगर ने पूछा.

"मुझे डर है कि कोई बिल्ली मुझे अपने तेज दांतों से चबा लेगी," चूहे ने कहा.

"बकवास," बूढ़े जादूगर ने कहा, लेकिन वो डरपोक चूहे को अपना छेद छोड़ने के लिए मना नहीं सका.

दोपहर की नींद से जागने पर, जादूगर ने अपनी औषधियां मिलाना शुरू कर दीं. लोग उसके पास लिए बहुत सारी समस्याएं लेकर आते थे. एक नाटा लड़का ऊंचा होना चाहता था.

एक भैंस नदी में तैरने से मना कर रही थी. अपना काम करने के बाद, बूढ़ा जादूगर उस चूहे के बारे में सब भूल गया. जादूगर ने एक जादुई मंत्र पढ़ा और फिर हवा में धुआं भर गया.

चटाई में अपने छेद में से चूहा जादूगर को विस्मय से देखता रहा. यदि बूढ़ा जादूगर दूसरों की मदद कर सकता है, तो शायद वो चूहे की समस्या को भी हल कर सके.

चूहा धीरे से चिल्लाया. "मेरे पास आपके लिए एक काम है बूढ़े जादूगर. कृपया मुझे एक बिल्ली में बदल दें."

"क्या कहा?" बूढ़े जादूगर ने एक कटोरे में फूलों की पंखुड़ियों को हिलाते हुए कहा.

चूहे ने अपना अनुरोध दोहराया, पर इस बार थोड़ा जोर से.

जादूगर ने चूहों के अनुरोध के बारे में सोचा.

"अगर मैं तुम्हें एक बिल्ली में बदल दूं, तो फिर तुम सभी चूहों का पीछा करोगे. क्या तुम्हें यकीन है कि वो तुम्हें खुश करेगा?"

"हाँ, मैं निश्चित हूँ. फिर मैं कभी भी किसी से नहीं डरूँगा," चूहे ने कहा.

चूहा बहुत स्थिर खड़ा रहा, जबकि बूढ़े जादूगर ने अपनी जादू की छड़ी से जादू-टोना किया.

"अरे चूहे, तुम एक बिल्ली बन जाओ," जादूगर ने कहा.

थोड़ी देर बाद, एक बिल्ली पुआल की चटाई पर बैठी थी. उसके दांत किसी भी बिल्ली की तरह ही तेज थे, लेकिन वो बिल्ली, चूहों का पीछा नहीं करती थी. बिल्ली चटाई में चूहे के छेद के पास बैठी थी.

बूढ़े जादूगर ने एक कटोरी दूध निकाला. "आओ, छोटी बिल्ली, और थोड़ा दूध पी लो," उसने कहा.

"मैं वो नहीं कर सकती," बिल्ली ने कहा.

बूढ़े जादूगर ने अपनी भौहें उठाईं. "मूर्ख बातें मत करो. सभी बिल्लियाँ दूध पीना पसंद करती हैं."

"मुझे डर है कि कोई कुत्ता अपने नुकीले दांतों से मुझे खा जाएगा." बिल्लियों की मूंछें कांप उठीं.

यह सुनकर जादूगर को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ.

"अब तुम एक कुत्ते से डरते हो?"

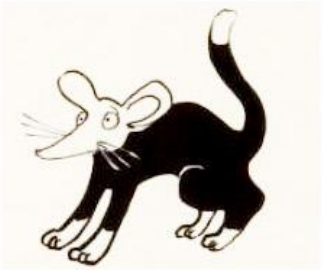

डरपोक बिल्ली चूहे के छेद के पास से नहीं हिली. हार मान कर जादूगर अपने काम में वापस लग गया.

थोड़ी देर बाद बिल्ली ने कहा, "बूढ़े जादूगर, मेरा आपसे एक ही अनुरोध है. कृपया, आप मुझे एक कुत्ते में बदल दें. फिर मैं कभी नहीं डरूंगी."

उस दिन बूढ़े जादूगर को कई गंभीर समस्याओं को हल करना था. उसे एक संतरे के पेड़ पर नींबू लटकाने थे. एक सींग वाले गैंडे के दो सींग उगाने थे. लेकिन बिल्ली ने जादूगर को तब तक परेशान करना बंद नहीं किया जब तक कि वो बिल्ली को कुत्ते में बदलने के लिए राजी नहीं हो गया.

बिल्ली बहुत शांत बैठी थी, जबकि बूढ़े जादूगर ने अपनी जादू की छड़ी उसकी दुम के ऊपर घुमाई. "चलो, बिल्ली, तुम एक कुत्ता बन जाओ," उसने कहा.

थोड़ी देर बाद एक कुत्ता पुआल की चटाई पर बैठा था. उसके दांत किसी कुत्ते की तरह ही तेज थे, लेकिन वो बिल्लियों का पीछा नहीं करता था. कुत्ता चटाई पर चूहे के छेद के पास ही बैठ गया.

बाहर कदम रखते हुए, जादूगर ने कुत्ते को सीटी देकर बुलाया. "आओ, छोटा कुत्ते, और मेरे बगीचे में खेलो."

जादूगर के बगीचे में, बंदर पेड़ों की शाखों पर कूद रहे थे और मोर छाँव में नाच रहे थे. नदी की ओर से एक ठंडी हवा आ रही थी. कोई भी कुत्ता इतने अच्छे बगीचे में खेलकर खुश होता.

इसके बजाए, डरपोक कुत्ते ने चूहे के छेद में घुसने की कोशिश की.

बूढ़ा जादूगर फिर से झोपड़ी में आया और अपने हाथ ऊपर उठाए. "तुम्हें क्या दिक्कत है?" उसने कहा. "तुम एक बिल्ली बनना चाहते थे, और मैंने तुम्हें एक बिल्ली बना दिया. फिर तुम एक कुत्ता बनना चाहते थे. अब तुम एक कुत्ते हो, और तुम अभी भी खुश नहीं हो."

कुत्ते की मूंछें कांप उठीं. "मुझे डर है कि एक भयंकर बाघ अपने नुकीले दांतों से मुझे खा जाएगा."

बूढ़ा जादूगर कुत्ते के डर को समझ गया. बगीचे के बाहर अँधेरा जंगल था, जहाँ रात में बाघ दहाड़ते थे. "यहां तक कि मैं भी बाघों से डरता हूं," जादूगर ने स्वीकार किया.

कुत्ता चुप था, लेकिन जादूगर ने अनुमान लगा लिया कि वो क्या सोच रहा होगा.

"मुझे लगता है कि अब तुम एक बाघ बनना चाहते हो," बूढ़े जादूगर ने अंत में कहा.

कुत्ते ने विनती की, "हाँ, कृपया, बूढ़े जादूगर, मुझे बाघ में बदल दें. फिर मैं फिर कभी नहीं डरूंगा."

जादूगर ने जोर से आहें भरते हुए अपनी जादू की छड़ी उठाई. "अब कुत्ते, तुम बाघ बन जाओ."

थोड़ी देर बाद, एक बंगाल टाइगर पुआल की चटाई पर बैठा था. उसके दांत किसी भी बाघ की तरह तेज थे, लेकिन वो कुत्तों का पीछा नहीं करता था.

बूढ़ा जादूगर डर के मारे पीछे हट गया. उसने कितनी भयानक गलती की थी!

भयंकर बाघ उसे एक कौर में निगल सकता था. फिर जादूगर हांफने लगा, पर उसने जो कुछ देखा उसे देखकर वो चौंक गया.

वो बाघ चूहे के बिल में घुसने की कोशिश कर रहा था! दहाड़ने के बजाए, वो बाघ डरपोक चूहे की तरह चिल्ला रहा था. उसके बाद जादूगर ने गांव के लोगों को उस बाघ को देखने के लिए बुलाया जो असल में बाघ नहीं था.

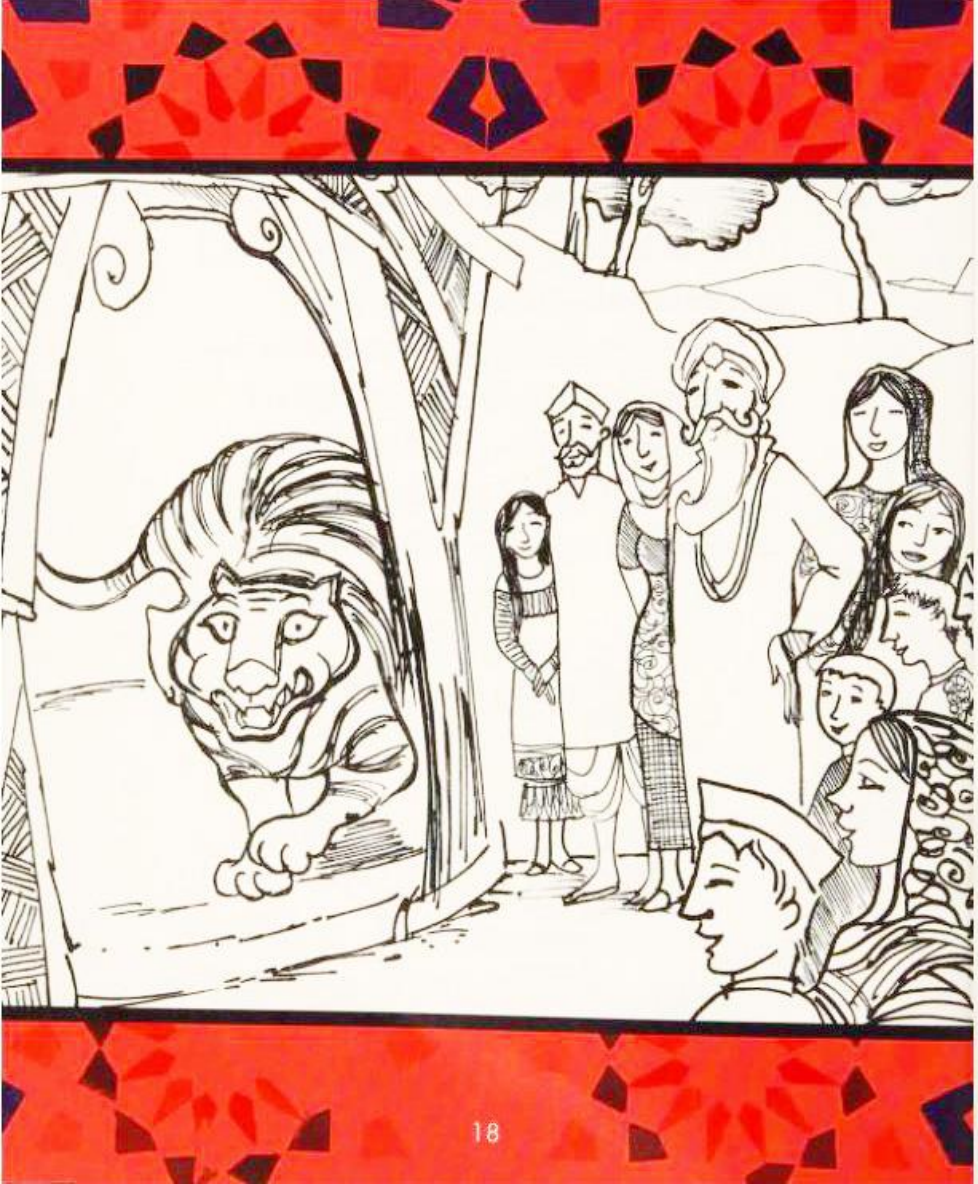

पहले तो गांववाले उस जादूगर की कुटिया में घुसने से भी डर रहे थे. पर जब उन्होंने चूहे की चीख़ सुनी और उसे झोंपड़ी के चारों ओर भागते देखा, तो वे हँसने लगे. "वो बाघ नहीं है. वो एक चूहा है!" गांव वालों ने कहा.

इससे बाघ परेशान हो गया. वो गुस्सा हुआ कि जादूगर ने लोगों को उस पर हंसने दिया था. फिर बाघ ने बूढ़े जादूगर पर हमला करने की पूरी कोशिश करने के बारे में सोचा. लेकिन बाघ उसके लिए हिम्मत नहीं जुटा पाया.

बूढ़े जादूगर ने बाघ की मंशा को भांप लिया. उसे उस बाघ पर दया आई जो खुद को चूहे के स्वभाव से नहीं बचा पाया था. फिर जादूगर ने अपने मंत्रों को उलटने का काम शुरू किया.

"अरे बाघ, अब तुम एक चूहा बन जाओ," उसने अपनी जादू की छड़ी लहराते हुए कहा.

एक क्षण बाद, एक छोटा चूहा स्टूल से जाकर टकराया. अब बाघ की जगह एक चूहा अपनी नाक हिला रहा था. फिर चूहा नीचे कूदा और तुरंत अपने छेद में घुसकर गायब हो गया. बूढ़े जादूगर ने फिर कभी चूहे को नहीं देखा. लेकिन कभी-कभी, देर रात को, उसे अपनी चटाई के नीचे किसी के चीख़ने की आवाज़ सुनाई देती है. तब उसे पता चलता है कि चूहा आखिरकार खुश है.

समाप्त

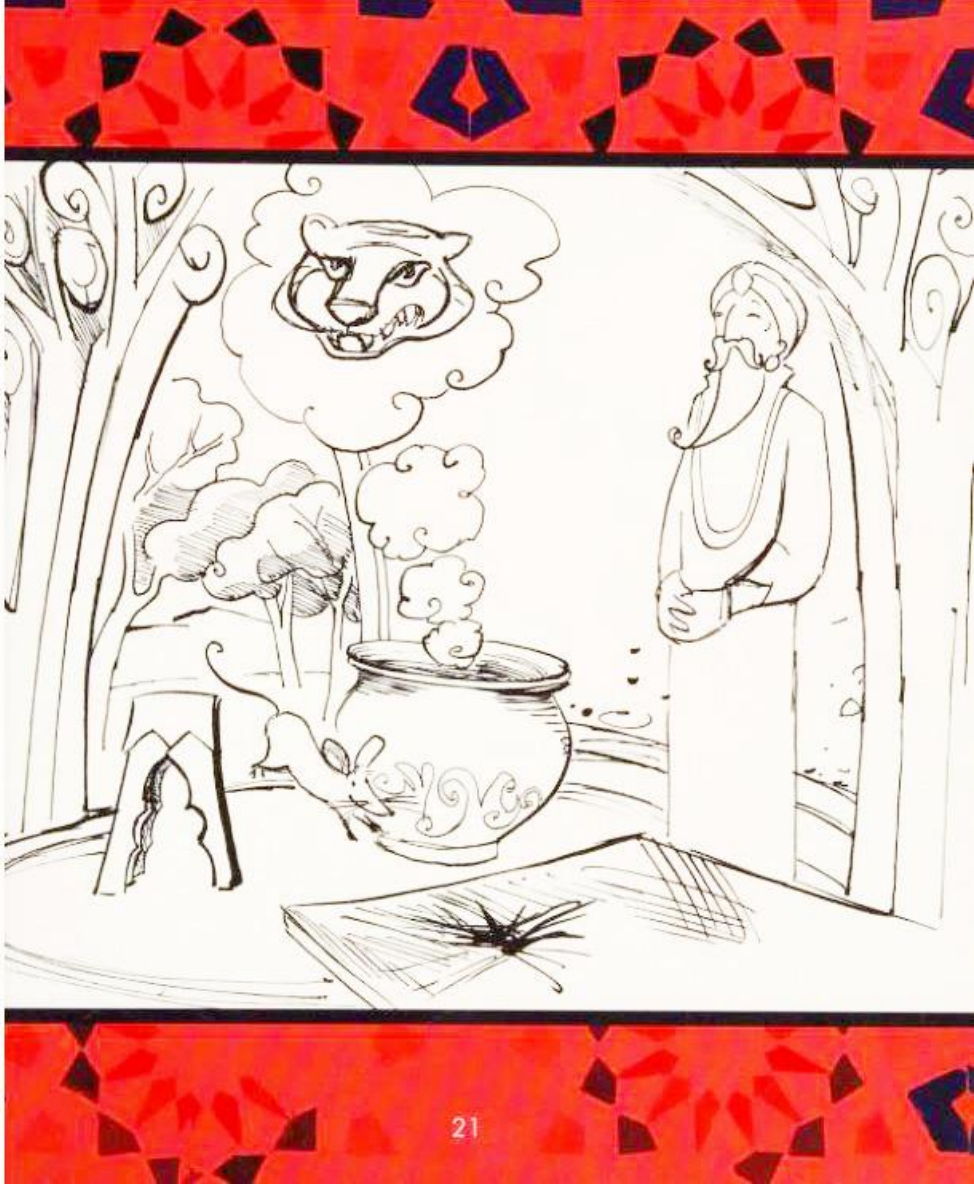

India